खबर संक्षेप

ट्रैक्टर इंजन पलटने से चालक की दर्दनाक मौत

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत झरौसी गांव में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 42 वर्षीय किसान प्रमोद पटेल की ट्रैक्टर इंजन के नीचे दबकर मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब प्रमोद पटेल अपने खेत में जुताई कर रहे थे। अचानक ट्रैक्टर इंजन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया, जिससे प्रमोद पटेल उसके नीचे दब गए। घटना के समय खेत में आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत मदद की कोशिश की, लेकिन इंजन की भारी संरचना के कारण उन्हें समय पर बाहर नहीं निकाला जा सका। जब तक ट्रैक्टर को हटाया गया, तब तक प्रमोद पटेल की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी अरुण पांडे ने बताया कि जेसीबी मशीन की मदद से इंजन को सीधा किया गया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रमोद पटेल झरौसी गांव के निवासी थे और अपने परिवार की जीविका कृषि पर निर्भर थी। उनकी असमय मृत्यु से परिजनों पर आर्थिक संकट गहरा गया है। गांव में शोक का माहौल है और अन्य किसानों ने भी इस हादसे को लेकर गहरी चिंता जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि जिले में हाल ही में ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जहां ट्रैक्टर इंजन के पलटने से तीन लोगों की जान जा चुकी है। किसानों ने सुरक्षा मानकों और जागरूकता पर ध्यान देने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं रोकी जा सकें।

समाजवादी पार्टी 1 अगस्त को भोपाल में करेगी विधानसभा का घेराव

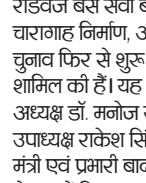

शहडोल। समाजवादी पार्टी आगामी 1 अगस्त को भोपाल में मध्यप्रदेश विधानसभा का घेराव करेगी। पार्टी के जिला अध्यक्ष राशिद खान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह आंदोलन ओबीसी आरक्षण, सामाजिक न्याय, महिला सुरक्षा, किसान और मजदूरों की समस्याओं सहित अनेक जनहित मुद्दों को लेकर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी की मांग है कि ओबीसी को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिया जाए, गरीब भूमिहीनों को जमीन का हक, महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान, किसानों की समस्याओं का समाधान, बेरोजगारी खत्म कर युवाओं को रोजगार, और भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके अलावा समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि न्यायालय परिसर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की जाए, संविदा कर्मियों और अतिथि शिक्षकों को नियमित किया जाए तथा पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए। सपा पत्रकारों के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून, विशेष आवास योजना, वरिष्ठ पत्रकारों को 30,000 मासिक पेंशन, और स्वास्थ्य व दुर्घटना बीमा देने की भी मांग कर रही है। पार्टी ने बंद पड़ी फैक्ट्रियों को पुनः शुरू करने, रोडवेज बस सेवा बहाल करने, चारागाह निर्माण, और छात्र संघ चुनाव फिर से शुरू करने की मांगें भी शामिल की हैं। यह आंदोलन प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सिंह बघेल और पूर्व मंत्री एवं प्रभारी बादशाह सिंह के नेतृत्व में किया जाएगा। विधानसभा घेराव में शहडोल संभाग से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का जत्था भोपाल रवाना होगा। पार्टी ने कटनी विधायक संजय पाठक के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग भी इस आंदोलन में उठाने की बात कही है।

विधायक, कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक ने सखियों को वितरित किए पौध

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर प्रदेश को हरा भरा करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। जन अभियान परिषद शहडोल व्दारा हरियाली सखी अंकुर अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जन जन तक इस संदेश को पहुंचाने तथा घर ,आंगन एवं खेतों तथा मार्गों में पौधरोपण करने के लिए सभायें, रैलियां तथा कलश यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। जन अभियान परिषद के तत्वावधान में सोहागपुर के ग्राम बरुका में विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री राम जी श्रीवास्तव, जिला योजना समिति की सदस्य श्रीमती अमिता चपरा,जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय, भूपेन्द्र मिश्रा,श्री सुरेश मिश्रा ने हरियाली अंकुर सखियों को पौध वितरित किए।

सरकारी स्कूल या खंडहर?

कौआसरई प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा नहीं, बदहाली पढ़ाई जा रही!

शिक्षा विभाग की बेरुख़ी और मुखिया की बेपरवाही से खतरे में 62 बच्चों का भविष्य

शिक्षा के मंदिर में जब छत टपकती हो, दीवारें भरभराकर गिरती हों और शिक्षक खुद बैठने की जगह तलाशते हों, तो समझिए यह भारत का कोई आम सरकारी स्कूल है। जयसिंहनगर ब्लॉक का कौआसरई प्राथमिक विद्यालय इसी बदहाली की जीवंत मिसाल है, जहां पढ़ाई का हाल भगवान भरोसे है और जिम्मेदार अफसर एआई की परछाई में अपनी कुर्सियां चमका रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

कहते हैं शिक्षा से ही भविष्य का निर्माण होता है, मगर कौआसरई प्राथमिक विद्यालय को देखकर तो लगता है कि यहां 'भविष्य' खुद स्कूल से भागकर जंगल में जा छिपा है। जयसिंहनगर विकासखंड के इस विद्यालय में बच्चों की संख्या 62 है, लेकिन सुविधाएं ऐसी कि कोई झोपड़ी भी शर्म से पानी-पानी हो जाए। विद्यालय में तीन शिक्षक हैं, जिनमें से दो महिलाएं, जो एक ही कमरे में 30 विषयों की नौटंकी रोज सुबह 10 बजे से शाम तक करती हैं। गणित से विज्ञान, सामाजिक विज्ञान से हिंदी सब एक ही सांस में पढ़ा देने की जादुई कला शायद सिर्फ शिक्षा विभाग के इन्हीं विद्यालयों में देखने को मिलती है। तीन कमरे हैं, जिसमें से एक को गोदाम, ऑफिस, कबाड़ख़ाना बना दिया गया है, एक कमरे की छत इतनी दयनीय है कि हर बूंदाबांदी पर अपने 'विलीन होने' की धमकी देती है और तीसरे कमरे में 62 बच्चे ऐसे ठुंसे हैं, जैसे सरकारी योजनाओं में घपले—एक के ऊपर एक लदे हों। विद्यालय में बाउंड्री नहीं, इसलिए जानवर अपना 'गुरुकुल दर्शन' करने बेहिचक चले आते हैं।

तालीम का बनाया जा रहा मज़ाक

जयसिंहनगर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय कौआसरई की हालत देखकर कोई भी शख्स यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि क्या यही है 'सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा' का असली चेहरा? यहां कक्षा 1 से 5 तक के 62 बच्चे एक ही कमरे में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। तीन शिक्षक, जिनमें दो महिला शिक्षिका, 30 विषयों का बोझ लिए एक ही कमरे में शिक्षा विभाग की बेहतरीन कार्यप्रणाली का प्रदर्शन कर रहे हैं।

तालीम के मंदिर में टपकती छत

विद्यालय की रसोईघर की छत टपक रही है, एक भवन से बरसात में पानी चूता है और पूरे स्कूल परिसर में चारदीवारी न होने के कारण जानवर बेधड़क घूमते हैं। यही नहीं, एक कमरे को गोदाम-ऑफिस में तब्दील कर दिया गया है और बाकी दो कमरों में से एक में ही सभी 62 बच्चों को ठूंस दिया गया है। अगर यही हालात किसी जेल में होते तो, मानवाधिकार आयोग खुद संज्ञान ले लेता, लेकिन यहां तो यह सब सामान्य माना जाता है।

शौचालय नहीं, इज़्ज़त भी नहीं

विद्यालय में शौचालय नहीं है, जिससे 20 बच्चियों सहित सभी बच्चों को बाहर खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है। क्या यही है वो 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का हकीकतन अमल? सुरक्षा, स्वच्छता और निजता जैसी बुनियादी ज़रूरतें शिक्षा विभाग के लिए शायद नफ़ासत नहीं, फ़ुज़ूलखर्ची की श्रेणी में आती हैं।

बोडरी में भरभराकर गिरी थी छत

बीते दिनो ग्राम पंचायत बोडरी के सेहराटोला स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब कक्षा की छत भरभराकर गिर गई। उस वक्त कक्षा में बच्चे और शिक्षक मौजूद थे, गनीमत रही कि कोई जान नहीं गई, लेकिन यह घटना एक बड़ा इशारा थी कि हालात अब बेकाबू हो चले हैं। फिर भी अफसरों की ज़मीर की नींद अब तक नहीं टूटी। जब एक ओर शिक्षा विभाग में फर्जी बिल, भ्रष्टाचार और ऊपरी कमाई के मामलों की जांच हो रही है, वहीं दूसरी ओर ज़मीनी स्तर पर विद्यालय की हालत यह बता रही है कि पैसा कहां जा रहा है और क्यों नहीं आ रहा है जहां ज़रूरत है। कागज़.पर स्मार्ट क्लास, ज़मीन पर टूटी खिडक़ी और उखड़े हुए फर्श—यही है इस सिस्टम की असलियत।

जवाब एआई में खोजे जा रहे हैं!

यह सबसे अहम सवाल है कि अगर किसी दिन भवन की छत गिरती है और कोई मासूम बच्चा हादसे का शिकार होता है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? कलेक्टर, शिक्षा अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि? जवाब शायद वही लोग देंगे जो आज एआई सिस्टम में फीडबैक देखकर निश्चिंत हैं कि सब कुछ ठीक है। यह हक़ीक़त नहीं, अफ़सोस है कि ज़मीनी हक़ीक़त को नज़रअंदाज़ कर रिपोर्ट कार्ड में 'अति उत्तम' की मोहर लगा दी जाती है। शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को अब कौआसरई जैसे विद्यालयों की तरफ झांकना ही नहीं, बल्कि तात्कालिक कार्रवाई करनी होगी। केवल गोष्ठियों, बैठकों और योजनाओं से न तो छत की टपकन रुकेगी, न ही बच्चों को शिक्षा की रोशनी मिलेगी।

इनका कहना है...

जिले के शिक्षा विभाग के 50 प्रतिशत भवन जर्जर हैं, जानकारी वरिष्ठ कार्यालय को भेजी गई है, कुछ में मरम्मत कार्य चल रहे हैं।
अमर नाथ सिंह डीपीसी, शहडोल

खैरहा के सार्वजनिक तालाब को लेकर विवाद

ग्रामीणों ने लगाया कब्जे और जल प्रदूषण का आरोप

नोटिस जारी, न्यायालय जाने की चेतावनी

शहडोल।

जिले के बुढार तहसील अंतर्गत ग्राम खैरहा में सार्वजनिक निस्तारू तालाब को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। ग्राम निवासी एवं रूहान समाज सेवक एंड एजुकेशन सोसायटी के सचिव मोहम्मद गुलामुद्दीन ने अधिवक्ता मनोज पांडे के माध्यम से मोहम्मद समसुद्दीन, रघुनंदन सिंह और म.प्र. शासन के नाम एक रजिस्टर्ड कानूनी नोटिस जारी कर गंभीर आरोप लगाए हैं। नोटिस में कहा गया है कि ग्राम खैरहा स्थित भूमि खसरा क्रमांक 880, 881 एवं 882 कुल रकबा 1.239 हेक्टेयर, पूर्व में सार्वजनिक उपयोग में रही है और उसमें तालाब, भीठा मजार एवं अन्य सार्वजनिक संरचनाएं स्थित हैं। गुलामुद्दीन के अनुसार, यह भूमि वर्ष 1980 में ग्रामवासियों के हित में सार्वजनिक उपयोग हेतु म.प्र. शासन को रजिस्टर्ड दान पत्र द्वारा दी गई थी। बावजूद इसके, वर्ष 2001-02 में उक्त भूमि का एक हिस्सा कथित रूप से फर्जी विक्रय पत्र के माध्यम से मोहम्मद समसुद्दीन को बेच दिया गया। गुलामुद्दीन ने आरोप लगाया कि उक्त विक्रय पत्र के आधार पर न सिर्फ भूमि पर कब्जा किया गया, बल्कि तालाब में मछली पालन कर उसे दूषित भी किया जा रहा है। तालाब में मछलियों के चारे के रूप में मांस के टुकड़े और मुर्गियों की बीट डाली जा रही है, जिससे जल प्रदूषित हो गया है और ग्रामीणों को पीने, निस्तार और पशुओं के लिए पानी का उपयोग करने में गंभीर दिक्कतें हो रही हैं। नोटिस में बताया गया कि इस संबंध में वर्ष 2001 से लेकर 2024 तक कई बार तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर से लेकर कमिश्नर शहडोल तक शिकायतें की गईं, जिन पर कार्रवाई भी हुई, किंतु आज भी विवादित भूमि का कब्जा मुक्त नहीं हो पाया है। मामला वर्तमान में कमिश्नर शहडोल के समक्ष विचाराधीन है, जहां पर गुलामुद्दीन द्वारा दायर आपत्ति में यह स्पष्ट किया गया कि उक्त भूमि का विक्रय पत्र शून्य घोषित किया जाना चाहिए और दोषियों के विरुद्ध आपराधिक मामला पंजीबद्ध होना चाहिए।

मनोज पांडेय द्वारा भेजे गए कानूनी नोटिस में कहा गया है कि यदि एक माह के भीतर भूमि को शासकीय रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया और ग्रामीणों को तालाब उपयोग का अधिकार नहीं मिला, तो वाद दायर कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसकी समस्त जवाबदारी संबंधित व्यक्तियों की होगी। इस पूरे मामले ने ग्राम खैरहा में प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जलस्रोतों की सुरक्षा और ग्रामीण अधिकारों को लेकर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि सार्वजनिक संपत्ति को अतिक्रमण और निजी हितों से मुक्त कराया जाए ताकि गांव की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति हो सके।

छात्रावास में 5 करोड़ रुपये के खर्च में गड़बड़ी की आशंका

कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में वित्तीय अनियमितता को लेकर गंभीर आरोप

शहडोल।

जिले के सोहागपुर ब्लॉक में संचालित कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास इन दिनों वित्तीय गड़बडिय़ों को लेकर चर्चाओं में है। छात्रावास संचालन में बीते पांच वर्षों में 5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च किए जाने के बाद भी व्यवस्थाओं में सुधार न होने को लेकर शिकायत सीएम हेल्पलाइन (शिकायत क्रमांक 32991959) में दर्ज कराई गई है। यह शिकायत 21 जून 2025 को शहडोल निवासी राकेश सोनी द्वारा की गई, जिसमें गंभीर वित्तीय अनियमितताओं की आशंका जताई गई है। शिकायत के अनुसार, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सोहागपुर की शिक्षिका अमिता तिवारी को जून 2017 में छात्रावास अधीक्षिका का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। आरोप है कि उन्होंने लगातार 5 वर्षों तक छात्रावास का संचालन तो किया, लेकिन इस दौरान न तो रोकड़ पंजी (कैश बुक) का

संधारण किया गया, और न ही कार्यकाल की समाप्ति पर प्रभार किसी को सौंपा गया।

लचर व्यवस्थाएं, हर साल भारी भरकम खर्च

शिकायत में यह भी कहा गया है कि अधीक्षिका के कार्यकाल में भोजन, स्वास्थ्य, सफाई, आवास एवं सुरक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं बेहद लचर थीं। इसके बावजूद हर साल लाखों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया गया, लेकिन इन खर्चों से संबंधित कोई ठोस दस्तावेज या सार्वजनिक सूचना अब तक सामने नहीं आई है। छात्रावास निरीक्षण पुस्तिकाओं में भी वर्षों से कमियों की रिपोर्टिंग की जाती रही, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। यह दर्शाता है कि पूरे मामले में प्रशासनिक लापरवाही भी उतनी ही जिम्मेदार रही है।

ऑडिट न कराना बना सबसे बड़ा सवाल

शिकायत में यह गंभीर प्रश्न उठाया गया है कि पांच वर्षों के दौरान खर्च की गई राशि का कोई ऑडिट नहीं कराया गया, जबकि सरकारी नियमों के अनुसार हर वित्तीय वर्ष में खर्च का ऑडिट अनिवार्य है। शिकायतकर्ता राकेश सोनी ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि 5 वर्षों में 5 करोड़ रुपये खर्च हुए, तो उसका लेखा-जोखा कहां है? क्यों प्रभार सौंपा नहीं गया? दस्तावेज क्यों छुपाए जा रहे हैं? यह सब गहन जांच का विषय है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

इस मामले ने लोक शिक्षण विभाग सहित जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। शिकायतकर्ता ने इस पूरे मामले की वित्तीय और प्रशासनिक स्तर पर उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है ताकि यदि कोई गड़बड़ी हुई है तो जिम्मेदार अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जा सके। फिलहाल, शिकायत की स्थिति सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबित बताई जा रही है। यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो यह मामला आगे और तूल पकड़ सकता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर चल रहा अवैध निर्माण

शहडोल।

जिले के बुढार तहसील अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर स्थित पकरिया चौराहे से स्टेशन मार्ग की ओर इन दिनों एक पक्का भवन निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। यह मार्ग पकरिया होते हुए बुढार, जैतपुर, गोहपारू, जयसिंह नगर और ब्यौहारी समेत सैकड़ों पंचायतों को जोड़ता है, जहां से रोजाना भारी वाहनों का आवागमन रहता है। बावजूद इसके, नियमों को ताक पर रखकर हाईवे को क्रॉस करते हुए निजी भवन निर्माणाधीन है, जिसके चलते दोनों सडक़ों पर अव्यवस्था और दुर्घटनाओं का खतरा महसूस किया जा रहा है।

यह चौराहा पहले ही विभिन्न सडक़ हादसों के लिए कुख्यात 'ब्लैक स्पॉट' घोषित किया जा चुका है। पिछले दो से तीन वर्षों में यहां कई गंभीर हादसे हो चुके हैं, जिनमें अनेक लोगों ने अपनी जान गंवाई है। क्षेत्रवासियों के अनुसार, पूर्व में भवन निर्माण के एवज में मुआवजा भी प्राप्त किया जा चुका है, इसके

बावजूद एक बार फिर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि न तो स्थानीय प्रशासन और न ही राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 के अधिकारियों ने इस पर कोई सख्त कदम उठाया है। वहीं स्टेट हाईवे शाखा और तहसील के जिम्मेदार अफसरों ने भी निर्माण को मौन स्वीकृति दे दी है। खबर है कि विरोध के बावजूद निर्माणाधीन भवन के लिए निर्माण सामग्री मुख्य मार्ग व स्टेशन रोड पर खुलेआम रख दी गई है, जिससे सडक़ यात्रा का मार्ग अवरुद्ध हो रहा है। इस लापरवाही से राहगीरों की जान और माल दोनों खतरे में हैं। वहीं बुढ़ार के तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक (आरआई) और राज्य/राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारी सभी अधिकारी सवालों के घेरे में हैं, जो निर्माण को लेकर अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन और सम्बंधित विभागों की अनदेखी के चलते नियम तोड़े जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि चौराहे पर अनाधिकृत निर्माण कार्य बंद कर सडक़ को पुनः पूर्ववत चालू नहीं कराया गया तो, आमजन आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। जिम्मेदार अधिकारियों की इस उदासीनता और अनदेखी के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 43 की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दोनों पर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने बुढार तहसीलदार, आरआई, राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के अधिकारियों और स्टेट हाईवे विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में हो रही यह मनमानी रुके और हादसों का सिलसिला थमे। यह प्रकरण न केवल सरकारी तंत्र की लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि आम नागरिकों की जान को भी सीधे खतरे में डालता है। यदि जिम्मेदार अधिकारी अब भी नहीं जागे तो गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं, जिसका पूरा दायित्व प्रशासन और सम्बंधित विभागों पर होगा।

सोशल मीडिया टिप्पणियों से उपजा धार्मिक तनाव

पुलिस ने तीन आरोपियों पर की कार्रवाई, सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ी

शहडोल। सोशल मीडिया की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों ने एक बार फिर धार्मिक सद्भाव को चुनौती दी है। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाएं भडक़ाने वाली टिप्पणियों को लेकर तनाव का माहौल बनता जा रहा है। बीते दो दिनों में दोनों समुदायों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां सामने आई हैं, जिससे क्षेत्र में रोष और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो गई है। रविवार को मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोग धनपुरी थाने पहुंचे और इस्लाम धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। इस पर पुलिस ने फरियादी कनीज फातिमा की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नाबालिगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है।

इस घटना से एक दिन पहले हिंदू संगठनों ने विरोध जताया था, जब एक युवक हातिम द्वारा हिंदू देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। पुलिस ने हातिम के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और विधिसंगत कार्रवाई की। इन घटनाओं ने क्षेत्र में धर्म आधारित टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। पुलिस प्रशासन ने तुरंत हरकत में आते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। साथ ही, सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए एक विशेष निगरानी टीम भी सक्रिय की गई है।

धनपुरी थाना प्रभारी ने बताया कि किसी भी प्रकार की धार्मिक टिप्पणी या अफवाह फैलाने वाले के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता से संयम और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि समाज में शांति और भाईचारा सबसे ऊपर है।

यह घटनाक्रम इस बात की चेतावनी है कि सोशल मीडिया पर की गई एक गैर-जिम्मेदाराना पोस्ट किस तरह से सामाजिक तनाव और अशांति का कारण बन सकती है। ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि सभी नागरिक डिजिटल माध्यमों का उपयोग सोच-समझकर करें और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए समाज में सद्भाव बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएँ। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल करता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह किसी भी धर्म या वर्ग से संबंधित क्यों न हो। शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इनका कहना है....

दोनों मामलों में अलग-अलग समुदाय के व्यक्तियों द्वारा सोशल साइट्स पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले पोस्ट किए गए थे, जिन पर त्वरित कार्रवाई कर संबंधितों को हिरासत में लिया गया है।
खेम सिंह पेंद्रो
थाना प्रभारी, धनपुरी

संविधान की रोशनी से वे ही डरते हैं जो देश को अंधेरे में धकेलना चाहते हैं

शैलेन्द्र शैली स्मृति व्याख्यान में बोले बादल सरोज

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। शैलेंद्र शैली स्मृति व्याख्यान में "संविधान से डर किसको लगता है" विषय पर जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत चोरभठी में संपन्न हुआ। अध्यक्षता ग्राम पंचायत चोरभठी के वरिष्ठ नागरिक रामेश्वर सिंह राठौर ने की। विषय प्रवर्तन मजदूर किसानों के नेता जुगुल राठौर ने किया। ऑल इंडिया किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव बादल सरोज ने भारत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बोलते हुए कहा कि इस देश के अंदर मुगल आए, पुर्तगाली आए, अरबी आए लेकिन सब यहीं बस कर रह गए। वास्तविक गुलामी 1757 से शुरू हुई जब इस देश के अंदर ब्रिटिश हुकूमत का प्रारंभ हुआ। ये अंग्रेजी राज था जिसने भारत की खेती का विनाश कर दिया, कपड़ा, पीतल, ताम्बा सहित जितने भी उद्योग धंधे विकसित हो रहे थे उन्हें अंग्रेजों ने तबाह करके रख दिया और इस तरह देश की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी। इस भयानक बर्बादी से नाराज और विचलित भारत की जनता ने पहला स्वतंत्रता संग्राम 1857 से शुरू हुआ और यह संग्राम ही था जिसकी कोख से वह सारी समझ निकल कर आई जो संविधान के रूप में इकट्ठा की गयी। इस तरह भारत का संविधान कोई एक दिन में नहीं तैयार किया गया है बल्कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में प्रारंभ हुआ और देश को 1947 में आजादी मिली, इस दरमियान जनता की सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक परिस्थितियां से उठ रहे सवालों को दृष्टिगत रखते हुए संविधान तैयार किया गया है। जिससे ऊंच नीच, छुआछूत,की भेद-भाव को दूर करने के साथ साथ मानव जीवन की बुनियादी जरूरतों रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा के साथ साथ अंधविश्वास को दूर भगाने का अधिकार मिला हुआ है। सीटू नेता जुगुल किशोर राठौर ने उक्त आशय आशय की जानकारी देते हुए बताया कि व्याख्यान माला से जनता को अपने संविधान की रक्षा के लिए एक नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है जिसे और व्यापक किया जाएगा। यह सन्देश जनता के बीच ले जाया जाएगा।

'रेफर संस्कृति' में फंसी आदिवासी अंचल की आबादी

शहडोल संभाग को चाहिए एक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

शहडोल

अनूपपुर और उमरिया जैसे आदिवासी बहुल जिलों को शामिल करने वाला शहडोल संभाग आज भी एक ऐसे मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल से वंचित है, जहां गंभीर बीमारियों का समग्र इलाज हो सके। आठ विधानसभा क्षेत्रों में फैली लाखों की आबादी इलाज के लिए आज भी नागपुर, रायपुर, दिल्ली और जबलपुर जैसे शहरों की ओर पलायन कर रही है। 'रेफर संस्कृति' अब यहां की नियति बन चुकी है।

शहडोल। आदिवासी अंचल के शहडोल संभाग जिसमें शहडोल, अनूपपुर और उमरिया जैसे जिले शामिल हैं, वहां आज भी एक ऐसा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नहीं है, जहां कैंसर, ब्रेन हेमरेज, हार्ट अटैक, अपंगता, दुर्घटनाएं, स्त्री रोग, मानसिक रोग और त्वचा संबंधी समस्याओं जैसी गंभीर बीमारियों का इलाज एक ही छत के नीचे मिल सके। 08 विधानसभा क्षेत्रों में फैले इस अंचल की लाखों की आबादी आज भी इलाज के लिए नागपुर, रायपुर, दिल्ली, जबलपुर और रीवा जैसे शहरों की ओर रेफर की जाती है, जहां पहुंचने में समय और पैसे दोनों की भारी कीमत चुकानी पड़ती है।

जरूरी माहौल और विश्वास नहीं

प्रदेश और केंद्र सरकारों ने इस आवश्यकता को समझते हुए शहडोल को मेडिकल कॉलेज की सौगात तो दी थी, लेकिन यह संस्थान भी केवल इमारतों और मशीनों तक ही सिमट कर रह

गया है। करोड़ों रुपये की लागत से बनी इमारतों, खरीदी गई मशीनों और नियुक्त किए गए संसाधनों के बावजूद शहडोल मेडिकल कॉलेज में आज भी इलाज के लिए जरूरी माहौल और विश्वास नहीं है। लोग वहां इलाज करवाने के बजाय निजी क्लीनिकों या सीधे दूसरे शहरों का रुख करना ज़्यादा बेहतर समझते हैं।

मेडिकल कॉलेज में 'रेफर संस्कृति'

शहडोल संभाग की चिकित्सा व्यवस्था वर्षों से 'रेफर संस्कृति' पर आधारित रही है। शहडोल जिला अस्पताल हो, अनूपपुर या उमरिया के सिविल अस्पताल हों, यहां मामूली जटिलता आने पर भी मरीजों को रीवा, जबलपुर या रायपुर रेफर कर दिया जाता है। यह संस्कृति अब शहडोल मेडिकल कॉलेज में भी जड़ें जमा चुकी है, जहां से भी गंभीर मरीजों को रेफर करने की परंपरा बन चुकी है। लोग अब इसे अपनी नियति मान चुके हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग तक उठाना छोड़ चुके हैं।

नहीं मिल सका स्वास्थ्य संस्थान

चिकित्सा संकट की यह स्थिति तब है, जब इस क्षेत्र से प्रदेश की लगभग हर सरकार में कोई न कोई मंत्री जरूर रहा है। वर्तमान में अनूपपुर जिले से भाजपा के दिलीप जायसवाल मंत्री पद पर हैं, इससे पहले बिसाहू लाल सिंह और मीना सिंह जैसे नेता मंत्री पद पर रह चुके हैं, वहीं जय सिंह मरावी और कांग्रेस शासनकाल में उमरिया से अजय सिंह और अनूपपुर से बिसाहू लाल सिंह जैसे वरिष्ठ नेता कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इससे भी पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय दलबीर सिंह केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री रह चुके हैं, लेकिन इन सबके बावजूद शहडोल संभाग को आज तक ऐसा कोई स्वास्थ्य संस्थान नहीं मिल सका जो इस अंचल के लिए स्थायी समाधान बन सके।

स्वास्थ्य लाभ आज भी चुनौती

शहडोल संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत अनूपपुर, उमरिया और शहडोल जिले आते हैं और सीधी लोकसभा क्षेत्र के भी कुछ हिस्से इस संभाग से जुड़े हैं। इस पूरे क्षेत्र में आठ विधानसभा सीटें हैं, जयसिंहनगर, जैतपुर, ब्यौहारी, अनूपपुर, कोतमा, पुष्पराजगढ़, उमरिया और बांधवगढ़ इन आठों विधानसभा क्षेत्रों की बड़ी आबादी आदिवासी है, जिनके लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक समय पर पहुंच बना पाना आज भी एक चुनौती है। पहाड़ी और दूरस्थ इलाकों में रहने वाले इन लोगों के लिए गंभीर बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में समय पर इलाज का अभाव जीवन-मृत्यु का प्रश्न बन जाता है।

वर्षों से रही जनता की मांग

स्थानीय जनता वर्षों से मांग करती रही है कि इस संभाग में कम से कम एक ऐसा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल होना चाहिए, जो निजी संस्था द्वारा सरकार के सहयोग और मार्गदर्शन में संचालित हो, जहां न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, कैंसर, स्त्री रोग, मानसिक रोग, नवजात देखभाल, डायलिसिस, आईसीयू, आपातकालीन चिकित्सा, रेडियोलॉजी और पैथोलॉजी जैसी सभी प्रमुख चिकित्सा सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिलें। इससे न केवल हजारों लोगों को तत्काल इलाज मिल सकेगा, बल्कि सालों से चल रही रेफर संस्कृति पर भी विराम लगेगा।

योजनाओं को जमीन पर उतारने का समय

शहडोल संभाग की स्थिति यह बताती है कि केवल चुनाव जीतने और प्रतिनिधित्व मिलने से जनता की आवश्यकताएं पूरी नहीं होतीं, बल्कि योजनाओं को जमीन पर उतारने और आम आदमी तक पहुंचाने की ईमानदार कोशिश ही किसी क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है। अब समय आ गया है कि शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाएं और शहडोल संभाग को एक ऐसी स्थायी सौगात दें, जो इसके भविष्य को संवार सके।

जिला पंचायत सीईओ ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बरबसपुर, कोड़ार, भमरहा में निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पंचायत भवन एवं आंगनबाडी केंद्र का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए तथा कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए। उन्होंने पुराने पंचायत भवन का भी

निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मानपुर टी.आर.नाग,सीईओ जनपद पंचायत मानपुर राजेन्द्र त्रिपाठी, उपयंत्री, सरपंच,सचिव उपस्थित रहे ।

दशरथ घाट, जोहिला फॉल का सीईओ जिला ने किया निरीक्षण

ग्राम पंचायत को बैरीकेडिंग करने के दिए निर्देश

उमरिया। ग्राम छोट तुम्मी में सेल्फी लेने के दौरान युवक की दुर्घटना में असामयिक मृत्यु हो गई थी । घटना की पुरावृत्ति नही हो इसके लिए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने पर्यटनों स्थलों के आस पास बैरीकेडिंग,साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए थे, निर्देश के परिपालन में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने मानपुर जनपद पंचायत स्थित दशरथ घाट, जोहिला फॉल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया कि निर्धारित स्थल का चयन करते हुए बैरीकेटिंग , साइन बोर्ड लगाया जाएं तथा उसका पालन कराया जाए , ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित नही हो,और लोगों की सुरक्षा हो सके। निरीक्षण के

दौरान एसडीएम मानपुर टी आर नाग, जनपद पंचायत मानपुर सीईओ राजेन्द्र त्रिपाठी, उपयंत्री, सहायक उपयंत्री , सरपंच,सचिव उपस्थित रहे ।

उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत आउटरीच कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। शासकीय सीनियर बालक छात्रावास में उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत आउटरीच कार्यक्रम संपन्न हुआ। किशोर स्वास्थ्य परामर्श दाता पवन कुमार मेहरा द्वारा छात्रों को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के मुख्य छः प्राथमिकताएं बताई गई । छात्रों का वजन और लंबाई करके बी.एम.आई. निकाला गया और पोषण , किशोरावस्था में बदलाव , एवं प्रजनन स्वास्थ्य , मानसिक स्वास्थ्य पर जानकारी देते हुए बताया गया कि नाइटफॉल एक सामान्य बात है जिसके कारण कोई शारीरिक दुर्बलता नहीं आती है। इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य संबंधित जानकारी बताई गई जिसमें तनाव,एंजाइटी,डिप्रेशन के लक्षण एवं उपचार बताए गए टेली मानस हेल्प लाइन नंबर 14416 में कॉल करने हेतु जानकारी बताई गई । जस्ट आस्क चौट बोट का उपयोग करना सिखाया गया एवं किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा 8 किशोरों की व्यक्तिगत काउंसलिंग की गई। इस अवसर पर छात्रावास के अधीक्षक कमलकांत सिंह एवं छात्रावास के 33 किशोर उपस्थित रहे।

उपस्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कर्मचारियों की बैठक संपन्न

उमरिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.व्ही.एस.चंदेल की अध्यक्षता में पिनौरा उपस्वास्थ्य केंद्र में सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय कार्यक्रमो की समीक्षा की गई साथ ही वर्तमान में संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमो का शासन के निर्देशानुसार दस्तक, एन सी डी,टीबी कार्यक्रमो के सफल क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए। जिले में मातृ मृत्यु न हो इसके

संबंध में जानकारी दी।साथ ही गर्भवती माताओं की जानकारी पोर्टल में समय पर अपडेट करने की बात कही गई।

बारिश के मौसम में बताया गया कि ताजा भोजन ले,उबला हुआ पानी का उपयोग पीने में करे ,उल्टी दस्त के केस की जानकारी आशा और एएनएम को दी जाए,जिससे की समय रहते उचित उपचार किया जा सके ।घर के आस पास स्वच्छता बनाए रखें, रात को सोते समय मच्छर दानी का उपयोग करने के सुझाव दिए गए है उक्त गतिविधि में प्रभारी डीसीएम रोहित सिंह एवं सैक्टर सुपरवाइजर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एएनएम उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत की जा रही जांच

उमरिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल के निर्देशन एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. मुकुल तिवारी के मार्गदर्शन में टी.बी. मुक्त पंचायत अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर कल्दा अंतर्गत ग्राम कल्दा विकासखंड करकेली में 100 दिवसीय निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 65 लोगों की टी.बी. की स्क्रीनिंग व एक्स-रे जांच की गयी जिसमें 3 लोगों में टीबी के लक्षण पाये गये। जिनका ट्रीटमेंट चालू किया गया। टी.बी. के प्रति सामाजिक जागरूकता लाने हेतु निक्षय शपथ दिलाई गयी। शिविर में डीपीसी शारदा प्रसाद गुप्ता, एएनएम सोहागवती आयुष्मान आरोग्य मंदिर कल्दा, टीम लीडर पीपीएसए दिव्य ज्योति, आशा कार्यकर्ता एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहें।

ग्राम पिनौरा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा संपन्न

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आह्वान पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड करकेली के ग्राम पिनौरा में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रविंद्र शुक्ला , योगेश द्वारा नवांकुर सखी अभियान के उद्देश्य के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की । संजय पांडेय द्वारा पर्यावरण संरक्षण की जानकारी प्रदान की । आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बेलपत्र के पौधों के महत्व की जानकारी दी गई तथा पौधों को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने हेतु संकल्प दिलाया गया। जन अभियान परिषद की परामर्श दाता सोनाली तिवारी द्वारा ग्रामीण महिलाओं को घर-घर जाकर हल्दी चावल देकर उन्हें आमंत्रित किया गया साथ ही कलश यात्रा का आयोजन किया गया । नवांकुर सखियों को अंकुरित बीज रोपित थैलियां वितरित की गई। राम पंचायत भवन से हरियाली यात्रा निकालकर गांव का भ्रमण करते हुए हायर सेकेंडरी स्कूल पिनौरा के सभा कक्ष में समाप्त हुई। कार्यक्रम के पश्चात सभी नवांकुर सखियों को एक-एक वृक्ष भेंट किया गया व उन्हें अपने घर में रोपित कर इसकी अपने पुत्र के समान देखभाल करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही विद्यालय परिसर में जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण कर एक पेड़ मां के नाम का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष पूनम साहू ,योगेश द्विवेदी , प्राचार्य नीरजा अग्रवाल , जनजातीय कार्य विभाग के मंडल संयोजक संजय पांडेय,जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रविंद्र शुक्ला , नवांकुर सखियों, ग्रामीण जन एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिनौरा के शिक्षकों व बच्चियों के साथ झमाझम बारिश की भी परवाह न करते हुए पूरे जोश व जज्बे के साथ हरियाली यात्रा का सफल आयोजन किया गया। सर्व प्रथम कन्या पूजन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इंद्रा उपस्थित रही।

चार दिनों से पेयजल की सप्लाई बंद

पानी की समस्या से जूझ रहा श्रमवीरों का परिवार

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर पालिका परिषद कोतमा के वार्ड क्रमांक 12 गोविंद कालोनी एवं लहसुई कैंप कालोनी में जहां श्रम वीरों का परिवार निवास करता है और उस कॉलोनी की व्यवस्था की जिम्मेदारी कालरी प्रबंधन की है। कोयला खदान होने के कारण उस कॉलोनी में हैंड पंप भी सफल नहीं है जिसके कारण पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर प्लांट से कालरी प्रबंधन के द्वारा पेयजल की सप्लाई की जाती है बताया जा रहा है कि 24-25 जुलाई से पानी सप्लाई बाधित है। बताया जाता है कि बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात मूसलाधार बारिश होने के कारण केवई नदी मे बाड आने के कारण पानी सप्लाई के लिए नदी में जो मोटर लगाया गया है या तो उसे मोटर में या फुटबॉल में कचरा या मिट्टी बाहर गई थी जिसके कारण पानी सप्लाई पूरी तरह से दोनों कॉलोनी की बाधित हो गई। जिसके कारण चार दिनों से बारिश के मौसम में भी श्रम वीरों का परिवार पानी के लिए परेशान होता नजर आया। कॉलोनियों में पेयजल की सप्लाई नहीं होने के कारण श्रमवीरों का परिवार पीने के पानी के लिए एवं उपयोग के लिए इधर-उधर परेशान होता नजर आ रहा था। रविवार को कोल प्रबंधन के द्वारा गोबिंदा कालोनी मे एक टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई तो करता नजर आया वह भी अधिकारियों के निवास के आसपास किया गया लेकिन मजदूरों की कालोनी तक नही पहुंचा जिसके कारण लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाया। नगर पालिका के द्वारा पानी टैंकर के माध्यम से चार दिनों से गोबिंदा लहसुई कालोनी मे प्रतिदिन लगभग दस टैंकर पानी सप्लाई करते हुए वितरण किया जा रहा है।

यह है समस्या

बताया जा रहा है कि नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कॉलोनी में कोल प्रबंधन के द्वारा पेयजल सप्लाई के लिए पेयजल संयंत्र स्थापित किया हुआ है और केवई नदी से पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर प्लांट में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करता है। 24-25 जुलाई को केवई नदी मे बाढ़ आने के कारण मोटर पंप या फुटबाल में कजरा या मिट्टी भर जाने से फिल्टर प्लांट तक पाइपलाइन के माध्यम से पानी की सप्लाई बाधित हो गई। जिसके कारण श्रम वीरों के परिवार को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

आये दिन होती परेशानी

पेयजल संयंत्र में कार्यरत अधिकारियों एवं सिविल विभाग की लापरवाही के कारण हर 3 माह में कॉलोनी में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है जिसके कारण अब यह चर्चा होनी शुरू हो गई है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण आये दिन पानी सप्लाई बाधित हो जाती है जबकि कोतमा नगर पालिका के द्वारा भी केवी नदी में मोटर लगाया गया है जिसके माध्यम से फिल्टर प्लांट में पानी भरा जाता है लेकिन काली प्रबंधन की लापरवाही के कारण कभी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण कभी अन्य कारणों से पेयजल सप्लाई बाधित हो जाती है जिसके कारण कभी तीन तो कभी पांच दिनों तक सप्लाई बाधित कर दिया जाता है। पानी सप्लाई नहीं होने के कारण गोबिंदा कालोनी एवं लहसुई कैंप कालोनी में पीने के पानी के लिए त्राहिमाम मचा हुआ है। कालरी प्रबंधन के द्वारा टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई तो करवाई जा रही है लेकिन टैंकर के कर्मचारियों के द्वारा सौतेला व्यवहार करते हुए पानी की सप्लाई कर रहा है। कुछ चिन्हित लोगों के यहां घंटों टैंकर खड़ा करके उनके घरों की पानी की टंकियां को भरने का काम करते हैं और बाकी लोग घर के सामने डिब्बा बाल्टी लेकर घंटों इंतजार करते रह जाते हैं। उसके बाद भी सप्लाई नही दे रहे हैं। नगर पालिका का ही इन्हें सहारा है। तब कहीं जाकर उन्हें दो-चार डिब्बा पानी मिल पाता है। जब पानी की समस्या बारिश के मौसम में उत्पन्न हो रही है तब आने वाले दिनों में गर्मी के मौसम में क्या हाल होता होगा इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। कालरी प्रबंधन की उदासीनता का खामियाजा श्रम वीरों के परिवार को भुगतना पड़ रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ क्षय उन्मूलक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना टीवी मुक्त भारत को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय छह उन्मूलक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सीएचएमओ डॉक्टर आरके वर्मा के मार्गदर्शन में जिला क्षय अधिकारी डॉक्टर राय के नेतृत्व में टीवी उन्मूलक कार्यक्रम जारी है। सक्रिय आर एम आई वी एड्स रिसर्च और केयर सेंटर मुंबई एवं एसईसीएल द्वारा संयुक्त रूप से टीवी मुक्त भारत के लिए अपना खास योगदान दे रहे हैं। शनिवार को डीएमसी राष्ट्रीय छय उन्मूलक कार्यक्रम के बैनर तले प्रोजेक्ट प्रमुख कुमारी योग्यता बोरकर के निर्देश पर प्रोजेक्ट को ऑर्डिनेटर वैभव जैन द्वारा 15 टीवी के मरीजों को फूड बॉस्केट का वितरण किया गया। टीवी की दवा के साथ पौष्टिक आहार आयरन युक्त भोजन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है जिसमें टीवी मरीज स्वस्थ होते है इस दौरान कोर्ट में टीवी लाइव टेक्नीशियन मोहम्मद हनीफ खान ज्योति गुप्ता यामिनी श्रीवास मंजू शिवकुमार नामदेव फूल सिंह औटी सुशील सिंह श्यामवती पेन्द्राम आदि लोग उपस्थित रहे।

लावारिस हालत में वाहन छोड़ने वालों के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर में बीच सड़कों पर वाहन खड़ा करने एवं बिना लॉक के गाड़ियों को लावारिश हालत में छोड़ने वालों के खिलाफ रविवार को पुलिस ने अभियान चलाते हुए कार्यवाही की गई है। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला के निर्देशन में पुलिस टीम के द्वारा स्टेशन चौक, गांधी चौक, पंचायती मंदिर रोड, बेरियल रोड, बस स्टैंड, सब्जी मंडी रोड, महावीर मार्ग, टैक्सी स्टैंड सहित अन्य प्रमुख मार्गो में भ्रमण करते हुए बिना हैंडल लॉक लगी गाड़ियां एवं आवागमन को बाधित करने वाले वाहनों को जप्त कर कार्रवाई की गई है। कार्यवाही के दौरान वाहन चालकों में खलबली देखी गई कई वाहन चालक दूसरों पर कार्यवाही देखकर अपने वाहन लेकर भागते नजर आए। टीम के द्वारा 6 दो पहिया वाहन को जप्त कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि त्योहारों के मद्देनजर एवं रविवार बाजार को यातायात दुरुस्त रखे जाने को लेकर उच्च अधिकारियों के निर्देशन में कार्यवाही की गई है। सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण करने एवं बीच रोड पर वाहन ना खड़ा करे। अभियान जारी रखा जाएगा। सभी व्यापारियों एवं वाहन चालकों से अपील है कि वाहनों को सड़क किनारे खड़ा करें, धार्मिक स्थल के सामने जाम ना लगाए एवं अपने वाहनों का हैंडल लॉक करके रखें जिससे चोरी जैसी कोई घटना ना हो सके।

खबर संक्षेप

एपीएस ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत किया पौधारोपण

शहडोल। पेड़ लगाओ, जीवन पाओ, धरती को हरा-भरा बनाओ, प्रकृति को हरा-भरा बनाने व पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। पेड़ से हमे न केवल ऑक्सीजन मिलती बल्कि पेड़ो में पक्षियों का आवास भी होता है। पेड़-पौधे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पेड़ पौधे वायुमंडल के तापमान को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते है। यदि आज हम पौधो को रोपण नही करेंगे तो आने वाले समय में वायुमंडल का तापमान और अधिक बढता जाएगा, जो जीवन के लिए अत्यंत हानिकारक साबित होगा। हमें पर्यावरण के प्रति सचेत रहना होगा और पौधो का रोपण करने के लिए स्वयं जागरूक रहते हुए दूसरों को भी जागरूक करना होगा। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गजनी में अध्यक्ष राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली के वरिष्ठ परामर्शदाता सह एपीएस श्री प्रकाश कुमार उइके ने धरती माता का श्रृंगार करने के लिए पौध का रोपण कर उसे जीवित रखने का संकल्प लिया।

महिला मंडली ने मिडवे ट्रीट में मनाया हरियाली तीज महोत्सव'

राजेन्द्रग्राम। सावन के रंगों और लोक परंपराओं से सराबोर हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन पर महिलाएं ने सामूहिक रूप से विभिन्न प्रतियोगिताएं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर हरियाली पर्व को धूमधाम से मनाती है वहीं ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं श्रावण मास के पारंपरिक गीत व शिव पार्वती के भजन गाकर माता पार्वती की आराधना करती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। पारंपरिक खेलों का आयोजन करती है। इसी तारतम्य में विगत दिनों राजेन्द्रग्राम महिला मंडली के द्वारा हरियाली तीज के अवसर पर हरियाली महोत्सव के रूप में किरर घाट जंहा का दृश्य बहुत ही मनमोहक व घने वादियों के बीच स्थित मिड वे ट्रीट पर उमंग के साथ हरियाली तीज मनाया गया। परंपरागत परिधानों में उत्सव में शामिल हुई महिलाएं उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित संगठन की सभी महिलाएं अपने परंपरागत परिधानों में सज धज कर सभी ने मेहंदी लगाई परंपरा को जीवंत रखने के लिए हरी हरी चूड़ियाँ पहन कर सोलह श्रृंगार कर सावन के झूलों का भी बखूबी आनंद लिया मनोरंजन के उद्देश्य से छोटी-छोटी प्रतियोगिताओ एवं इसके बाद महिलाओं ने सावन के मनमोहक गीतों पर मनभावन नृत्य प्रस्तुति का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया तीज त्यौहार पर झूला झूलकर लोकगीतों में थिरक कर बहुत ही उमंग व उत्साह से कार्यक्रम को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने एक दूसरे को हरियाली तीज की बधाई दी साथ ही महिलाओं द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिलाओं को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। उक्त हरियाली महोत्सव कार्यक्रम एवं आयोजक मंडल के मुख्य सहयोगी सुलोचना गुप्ता अंजना केशरवानी, एकता केशरवानी, मनीषा गुप्ता, वंदना गुप्ता, रेखा गुप्ता, सहित सैकड़ों महिलाएं सम्मिलित हुई।

सड़क किनारे कमरे में सुस्ताई व्यवस्था

उमरिया। जिले की पाली तहसील के ग्राम अमिलिहा से एक 'कमरे' की बड़ी खबर सामने आई है। जी हाँ, यह कोई पांच सितारा होटल का कमरा नहीं, बल्कि सरकारी जमीन पर ताना गया 'सामान्य' कमरा है, जिसे खास भाजपा ओबीसी मोर्चा के स्व-घोषित मंडल अध्यक्ष आर.डी. यादव ने बना दिया है, बताया जा रहा है कि श्री यादव ने अपने राजनीतिक रसूख से सजी इस जमीन पर कब्जा कर वहां निर्माण कार्य कर लिया है। खास बात यह है कि ये सब निजता के अधिकार के अंतर्गत नहीं, बल्कि रोड किनारे खुलेआम किया गया है, बिलकुल वैसे ही जैसे सडक किनारे पकौड़े बिकते हैं, बस फर्क इतना कि ये कब्जा 'राजनीतिक आंच' पर तला गया है।

राजनीतिः अब पहचान नहीं, परमिट बन चुकी है!- गांव वालों का कहना है कि श्री यादव खुद को भाजपा विधायक का करीबी बताते हैं। हालांकि यह नजदीकी कितनी 'सच्ची' है, इसकी पुष्टि हम नहीं करते, लेकिन गांव में इतना तो तय है कि ये दावा ही उन्हें 'कानून से ऊपर' बना देता है। लगता है कि अब शासकीय जमीन पर कब्जे के लिए भू-अधिकार पट्टा नहीं, राजनीतिक पहचान पत्र ही काफी है।

खुला अतिक्रमण, बंद आंखें
यह अतिक्रमण किसी गुप्त गली या पिछवाड़े में नहीं, बल्कि सरेआम सडक किनारे हुआ है। मगर प्रशासन की आंखें शायद धूप के चश्मे में ढँकी हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि जैसे 'देखो मगर छुओ मत' की नीति अपनाई जा रही हो।

सात साल से भवन की आस लगाये बैठे नागरिक, पांच कमरों में चल रही दस कक्षाएं

हाई स्कूल में उन्नयन कर भवन बनवाना भूल गया प्रशासन

उमरिया जिले के दुर्गम क्षेत्र कल्दा जो जनपद पंचायत करकेली के अन्तर्गत कल्दा पंचायत में माध्यमिक विद्यालय से हाई स्कूल में उन्नयन वर्ष 2018 में हो गया , लेकिन आज तक भवन उपलब्ध न होने की वजह से आज भी विषय परिस्थितियों से गुजरना पड़ रहा है ।

बिरसिंहपुर पाली

बताया जाता है की पहले भी प्राथमिक स्कूल में दो कमरों में अध्यापन कार्य होता है , चूंकि प्राथमिक विद्यालय में कुल दो कमरे ही उपलब्ध है । माध्यमिक खंड में कक्षा वार तीन कमरे थे जिसमें क्रमशः कक्षाएं संचालित होती थी । जबसे इस विद्यालय का हाई सेकेण्डरी में उन्नयन हुआ तब से कमरों की बेहद कमी बनी हुई हैं । इस विद्यालय में कुल पांच कमरों में दस कक्षाएं संचालित हो रही है उसमें भी अब तक दर्ज छात्रों की संख्या 222 है । इस लिहाज से देखा जाए तो इस विद्यालय में भवन का बेहद अभाव बना हुआ है ।मूलत आदिवासी ग्राम कल्दा जहां पर लगभग आदिवासी समुदाय के बच्चे अध्ययन रत है बैठक व्यवस्था न होने की स्तिथि में अध्ययन तों कम ही होता सिर्फ दिन गुजार रहे हैं । बताया जाता है कि पहले दो कमरों में संचालित होने वाली कक्षा एक से पांचवीं तक की पढ़ाई सिमट कर एक कमरे में आ गई है ।मध्यप्रदेश शासन शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अति उत्तम व्यवस्था सुलभ कराने के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है , फिर भी इस विद्यालय भवन उपलब्ध न कराने से प्रशासनिक दूरदर्शिता और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिया है ।ध्यान देने योग्य है कि कल्दा विद्यालय हमारे लोकप्रिय विधायक शिव नारायण सिंह का पड़ोसी गांव है , जहां पर इनका नियमित रूप से आना जाना बना हुआ है , लेकिन उनका इस ओर ध्यान नहीं गया , जबकि हाई स्कूल विद्यालय बनवाने में इन्हीं की सरकार की देन है फिर भी विधायक जी की उदासीनता का दंश कल्दा क्षेत्र के विद्यार्थियों झेलना पड़ रहा है । विदित होवे कि कल्दा गांव के अलावा ईशनपुरा, बिछिया, कलौरी, पडेरा, महोबा दादर, अमुआरी, छूली टोला टकटई, अगासी आदि गांवों के आदिवासी छात्रों के लिए एक यही कल्दा हाई स्कूल है जों की उन्नयन के सात वर्षों में एक भवन न मिल पाना आदिवासी छात्रों के लिए अभिशाप बन कर रह गई है । वैसे तो जिले में भवनों का निर्माण कार्य दुर्त गति से कराने में जिला प्रशासन की दिलचस्पी बनी रहती है ,कई जगहों पर करोड़ों रुपयो के भवन औचित्य हीन बना शासकीय राशि की होली खेलते देखे जाते हैं परन्तु इस ओर प्रशासनिक अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों की उपेक्षा आदिवासियों के भविष्य को अंधकार मय बना रहा है ।

जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी पहल

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान बना बदलाव का माध्यम

ए.पी.एस. प्रकाश कुमार उइके ने जनसंवाद में दी जागरूकता की प्रेरणा

शहडोल। जनजातीय समुदाय को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केन्द्र और राज्य सरकार की धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाएं ग्रामीण अंचलों में गहरी पैठ बना रही हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली के वरिष्ठ परामर्शदाता सह ए.पी.एस. प्रकाश कुमार उइके ने शहडोल जिले के जयसिंहनगर जनपद अंतर्गत ग्राम गजनी, जगड़ा और शासकीय जनजातीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदाय के लोगों से संवाद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उइके ने कहा कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान देशभर की चिन्हित ग्राम पंचायतों में विशेष रूप से अत्यंत पिछड़ी जनजातियों के उत्थान हेतु चलाया जा रहा है। इसका मूल उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनजातीय समुदाय को सरलता से दिलाकर उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाना है।

आज के युग में वही राजा है, जो शिक्षित है - श्री उइके ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में कहा कि आज का समय ज्ञान, तकनीक और सूचना का युग है। शिक्षा ही सबसे बड़ी शक्ति है, जो किसी भी समाज को आगे बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभाती है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से स्कूल भेजें, ताकि वे भविष्य में समाज को दिशा देने वाले नेतृत्वकर्ता बन सकें। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और सकारात्मक जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें और उन्हें नशे के दुष्परिणामों से बचाएं। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी नशा मुक्ति का संदेश दिया गया।

योजनाओं का लाभ और जनसंवाद- धरती आबा अभियान के अंतर्गत आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, सिकल सेल एनीमिया जांच, पीएम किसान योजना, जनधन खाते, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, रोजगार योजनाएं, मनरेगा, पीएम विश्वकर्मा, मुद्रा लोन जैसी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को शिविरों के माध्यम से दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र तिवारी ने जानकारी दी कि यह अभियान 15 जून से 15 जुलाई 2025 तक शहडोल जिले की 402 ग्राम पंचायतों में चलाया गया। सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक 1,02,424 आधार कार्ड, 81,29 जनधन खाते, 70,602 आयुष्मान कार्ड, 30,962 राशन कार्ड, 10,011 किसान क्रेडिट कार्ड और 1,02,424 जाति प्रमाण पत्र बनाए गए हैं। **स्थानीय मांगों पर तत्परता से निर्देश**- उइके ने ग्राम गजनी में विद्यालय का उन्नयन (कक्षा आठवीं तक), स्थानीय शराब दुकान बंद कराने, ग्राम जगड़ा में आंगनबाड़ी केन्द्र संचालन तथा खेल मैदान हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष मालती सिंह, जिला पंचायत सदस्य राजेश बैगा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवानी जैन, खंड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र तिवारी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, छात्र-छात्राएं, स्व-सहायता समूह की महिलाएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बहनों के लिए सुविधाजनक इंतजाम, पिकअप सेवा भी उपलब्ध

राखी पोस्ट के लिए डाक विभाग की विशेष पहल

शहडोल।

रक्षाबंधन के पावन पर्व को देखते हुए भारतीय डाक विभाग ने बहनों की राखियाँ सुरक्षित और समय पर उनके भाइयों तक पहुंचाने के लिए विशेष व्यवस्था की है। इस पहल के तहत डाक विभाग ने न सिर्फ डाकघरों में विशेष पत्र पेटिकाएँ स्थापित की हैं, बल्कि निःशुल्क पिकअप सेवा और व्हाट्सएप सुविधा के माध्यम से भी राखियाँ बुक कराने की व्यवस्था की है। डाकघर अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि राखी पोस्ट करने के लिए डाकघरों में विशेष रंग-बिरंगी पेटिकाएँ लगाई गई हैं, जिनमें बहनें अपने राखी लिफाफे डाल सकती हैं। इन लिफाफों की विशेष छंटाई कर उन्हें शीघ्रता से गंतव्य पते पर भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधान डाकघर शहडोल में इन दिनों राखी भेजने वालों की लंबी कतारें लग रही हैं। इस बढ़ती भीड़ को देखते हुए डाक विभाग ने अतिरिक्त काउंटर की भी व्यवस्था की है ताकि लोगों को ज्यादा देर तक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

डिजिटल पहलः बारकोड और व्हाट्सएप सेवा

डाकघर अधीक्षक ने बताया कि इस वर्ष एक नवाचार के तहत डाक विभाग ने एक विशेष बारकोड जारी किया है, जिसे स्कैन करने पर प्रेषक सीधे प्रधान डाकघर शहडोल के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर से जुड़ जाते हैं। इसके माध्यम से बहनें अपना पता भेज सकती हैं, जिसके बाद डाकिया उनके घर पहुँचकर राखी लिफाफे, पार्सल या स्पीड पोस्ट की बुकिंग करता है। संबंधित शुल्क वहीं वसूला जाता है और रसीद वहीं प्रदान की जाती है। डाक अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यह पिकअप सेवा पूरी तरह निःशुल्क है और इसका उद्देश्य बहनों को सुविधा देना तथा भीड़ से राहत दिलाना है।

जनहित में अपील

डाक विभाग ने रक्षाबंधन पर्व के इस विशेष अवसर पर सभी बहनों से आग्रह किया है कि वे डाक विभाग की इस सुलभ, सुरक्षित और आधुनिक सेवा का लाभ उठाएँ ताकि उनकी राखियाँ सही समय पर और सुरक्षित रूप से भाइयों तक पहुँच सकें। इस अभिनव व्यवस्था से न केवल डाक विभाग की विश्वसनीयता में इजाफा हुआ है, बल्कि लोगों का डाक सेवाओं पर भरोसा और मजबूत हुआ है। रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक त्योहार को सुचारु रूप से मनाने में यह पहल एक सराहनीय कदम साबित हो रही है।

एसआईएसएफ जवानों से मारपीट करने वाले गिरफ्तार

उमरिया।

जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के विन्ध्या कॉलरी क्षेत्र स्थित कंचन खदान (पश्चिम) में ड्यूटी कर रहे एसआईएसएफ के जवानों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 22 जुलाई की रात करीब 1:30 बजे की है, जब खदान में तैनात जवानों आरक्षक अनिल नैगी और आरक्षक बलवीर सिंह पर दारू पीने के लिए पैसे न देने पर लाठी से हमला किया गया। इस गंभीर घटना में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनमें सभी ग्राम धनवाही निवासी हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुनील बैगा उम्र 28 वर्ष, जो कि विन्ध्या कॉलरी क्षेत्र में प्राइवेट चालक के रूप में कार्यरत है, अपने चार साथियों राकेश बैगा उम्र 28 वर्ष, विकाश बैगा उम्र 19 वर्ष, बाबूलाल बैगा उम्र 21 वर्ष और छोटे लाल के साथ ड्यूटी स्थल पर पहुंचा। सभी के हाथ में लाठियाँ थीं। उन्होंने जवानों से कहा कि हमें दारू पीनी है, पैसे दो, और जब जवानों ने साफ इनकार किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। बात बढ़ते-बढ़ते आरोपियों ने लाठियों से दोनों जवानों पर हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दोगे तो जान से मार देंगे। हमले के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी तत्काल घायल जवानों ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके बाद एसईसीएल की एम्बुलेंस से दोनों जवानों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना नौरोजाबाद में अपराध क्रमांक 249/25 पंजीबद्ध कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 296 (शासकीय कार्य में बाधा), 115(2), 119(1), 121(1), 132 और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने फरार मुख्य आरोपी सुनील बैगा को पकडऩे में सफलता पाई। उससे पूछताछ में शेष आरोपियों की पहचान हुई, जिनके आधार पर राकेश बैगा, विकाश बैगा, बाबूलाल बैगा और छोटे लाल को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध विधिसंगत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना न केवल शासकीय कार्य में बाधा डालने की गंभीर श्रेणी में आती है, बल्कि सुरक्षा बलों की गरिमा पर भी सीधा हमला है। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए गश्त और निगरानी को और अधिक सशक्त किया जाएगा तथा जनता को कानूनी जागरूकता के लिए भी अभियान चलाए जाएंगे। इस घटना ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था से समझौता करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

रोहनिया गांव में बाघ के नाखून और जबड़े बरामद

तस्करी या अवैध शिकार की आशंका

वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर जोन अंतर्गत ग्राम रोहनिया में वन विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वन्यजीव अपराध नियंत्रण की दिशा में किए गए एक गुप्त छापे में हरदुल बैगा नामक ग्रामीण के घर से 13 बाघों के नाखून तथा दो निचले जबड़े (प्रत्येक में एक कैनाइन और तीन अन्य दांत) बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय के निर्देशन में की गई। कार्रवाई को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 50 के तहत कानूनी आधार पर अंजाम दिया गया है।

मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई- गुप्त सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने बिना देरी किए हरदुल बैगा के घर पर छापा मारा, जहां बाघ के अवशेष छुपाकर रखे गए थे। बरामद सामग्री को सरकारी अभिरक्षा में सुरक्षित रख लिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए विभाग द्वारा तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वन विभाग की प्रारंभिक जांच में बाघ के अवैध शिकार या तस्करी की संभावना व्यक्त की जा रही है। विभाग अब इस बात की जांच में जुटा है कि इन अवशेषों का स्रोत क्या है। क्या बाघ की नैसर्गिक मृत्यु के बाद उसके अंग काटे गए? या फिर किसी संगठित तस्करी गिरोह द्वारा सुनियोजित तरीके से बाघ का शिकार किया गया? इस संबंध में अन्य राज्यों से लिंक या किसी तस्करी नेटवर्क की भूमिका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है।

कानूनी प्रक्रिया जारी- वन विभाग का कहना है कि जब्त अवशेषों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बाघ की मृत्यु कैसे हुई और यह घटना कितनी पुरानी है। विभाग का यह भी कहना है कि यदि इसमें किसी बड़े गिरोह की संलिप्तता पाई गई, तो अंतरराज्यीय एजेंसियों की मदद ली जाएगी। इस घटना के बाद बांधवगढ़ जैसे संवेदनशील टाइगर रिजर्व की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां देश-विदेश से पर्यटक बाघों को देखने आते हैं और ऐसे मामलों से वन्यजीव पर्यटन की छवि को गहरा धक्का लग सकता है।

इनका कहना है

बाघ के नाखून और जबड़ों का मिलना गंभीर मामला है, सख्त कार्रवाई की जाएगी और यदि कोई गिरोह संलिप्त पाया जाता है तो उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।
डॉ. अनुपम सहाय

शहडोल संभाग को मिला नई उम्मीदों का स्वाद, ग्राम बरूका में फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट का लोकार्पण

युवाओं को मिलेगा रोजगार और प्रशिक्षण

शहडोल।

मध्यप्रदेश में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को गति देने के उद्देश्य से एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा में आयोजित रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव से वर्चुअल माध्यम से शहडोल जिले के ग्राम बरूका में निर्मित फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट का लोकार्पण किया। यह संस्थान शहडोल संभाग के युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास का नया द्वार खोलेगा। इस परियोजना के लिए कुल 1562.45 लाख रुपए खर्च किए गए हैं, जिसमें 812.45 लाख रुपए राज्य शासन और 750.00 लाख रुपए केंद्र शासन द्वारा प्रदान किए गए। इस आधुनिक संस्थान में छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, क्लासरूम, डेमो किचन, परीक्षा हॉल सहित आवश्यक अधोसंरचना तैयार की गई है।

2026-27 से शुरू होंगे डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स

भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय की एफिलिएटिंग बॉडी से एफिलिएशन के उपरांत सत्र 2026-27 से इंस्टिट्यूट में डिप्लोमा और क्राफ्टमैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स संचालित होंगे।

इनमें 12वीं पास विद्यार्थियों के लिए फूड प्रोडक्शन, फूड एंड बेवरेज सर्विस, फ्रंट ऑफिस, हाउसकीपिंग और 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए क्राफ्टमैनशिप सर्टिफिकेट इन फूड प्रोडक्शन, फूड एंड बेवरेज सर्विस जैसे कोर्स शामिल रहेंगे।

कार्यक्रम में नेता और अधिकारी रहे मौजूद

रीवा में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, धर्मेन्द्र सिंह लोधी और प्रतिमा बागरी उपस्थित रहे। शहडोल में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की प्रतिक्रियाएं

कार्यक्रम में विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि यह संस्थान युवाओं के लिए फूड प्रोसेसिंग और आतिथ्य क्षेत्र में करियर के नए अवसर प्रदान करेगा। प्रशिक्षण के बाद युवा नौकरी और स्वरोजगार, दोनों का रास्ता चुन सकेंगे। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि यह संस्थान युवाओं के लिए कौशल विकास की दिशा में एक ठोस शुरुआत है, जो न केवल संभाग के युवाओं को लाभ पहुंचाएगा बल्कि प्रदेश के बाहर के प्रतिभागी भी इससे जुड़ सकेंगे। समिति सदस्य अमिता चपरा ने कहा कि यह संस्थान संभाग की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा। युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और व्यवसाय आरंभ करने की प्रेरणा व संसाधन मिलेगा।

सहभागिता और उम्मीदों की भागीदारी

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, एसडीएम अरविंद शाह, एमपी टूरिज्म के अधिकारी देवेन्द्र सिंह सोढी, दीपक कुमार दबे, जनप्रतिनिधि, लाड़ली बहनें, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, शासकीय सेवक और मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह फूड क्राफ्ट इंस्टिट्यूट न केवल एक संस्थान है,

खबर संक्षेप

रिमझिम बारिश के बीच धूमधाम से निकली कांवड़ यात्रा

अनूपपुर। शहर में आस्था का सैलाब दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। युवा वर्ग, महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग सभी लोग धर्म के प्रति अपने आप को समर्पित कर चुके हैं। श्रावण माह के महीने का महत्व ही अलग है। सुबह से ही धर्म प्रेमी शहर को शिवमय बनाने के लिए श्री शिव मारुति मंदिर सामतपुर (अनूपपुर) में एकत्रित हो गए। यहां से सभी सोन नदी गए एवं वहां से जल लेकर बड़ी संख्या में भगवा वस्त्र धारण किए श्रद्धालु कावड़ लेकर पूरे रास्ते में डीजे की धुन पर भगवान शिव के जयकारे, हर हर महादेव, बोल बम का नारा लगाते हुए पूरे नगर को शिवमय बना दिए। सभी भक्तगण कावड़ से जल भरकर वापस श्री शिव मारुति मंदिर सामतपुर (अनूपपुर) पहुंचे जहां पंक्तिबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने महादेव का पूजन- अभिषेक किया और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।यहां भक्तों के लिए भंडारे की विशेष व्यवस्था की गई थी जहां सभी ने प्रसाद भी ग्रहण किया। ज्ञातव्य हो कि लगातार तीसरे वर्ष श्री शिव मारुति मंदिर सामतपुर (अनूपपुर) समिति द्वारा भगवान शिव को सोन नदी से जल लाकर चढ़ाया गया।कावड़ यात्रा में सभी लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें प्रमुख रूप से महिलाओं और युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिले में 51.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 51.9 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 8.5 मिली मीटर, कोतमा में 26 मिली मीटर, बिजुरी में 29.4 मिली मीटर, जैतहरी में 23 मिली मीटर, वेंकटनगर में 12.5 मिली मीटर, पुष्पराजगढ़ में 220 मिली मीटर, अमरकंटक में 33 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 62.8 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई।

मास्टर ट्रेनर रिफ्रेशर प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर, अनूपपुर में सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ विकासखण्डों के मास्टर ट्रेनर्स हेतु एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया।प्रशिक्षण का उद्देश्य मास्टर ट्रेनर्स को जीवन कौशल शिक्षा, प्रशिक्षण रणनीतियों, सामाजिक मुद्दों एवं 'सक्षम' कार्यक्रम की नवीनतम जानकारियों से अद्यतन करना था, ताकि वे आगामी शिक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रभावी रूप से तैयार हो सकें। प्रशिक्षण के दौरान स्वागत, पंजीयन,पूर्व-मूल्यांकन,कार्यक्रम की उपलब्धियों एवं सफलता की कहानियों पर खुली चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त सत्र-5 एवं सत्र-6 के डेमो, तथा सेक्स एवं जेंडर विषयों पर संवाद जैसे महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका एवं आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रशिक्षण की प्रमुख उपलब्धियों में मास्टर ट्रेनर्स को कार्यक्रम की गहन और व्यवहारिक समझ, सत्रों के डिज़ाइन की स्पष्टता तथा सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत दृष्टिकोण प्राप्त होना प्रमुख रहा। कार्यक्रम में पट्टावी प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर द्वारा सहभागिता करते हुए 'सक्षम' कार्यक्रम की सराहना की गई तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु उपयोगी सुझाव प्रदान किए गए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक अविनाश वर्मा का सतत सहयोग व मार्गदर्शन प्रशिक्षण को सफल बनाने में सहायक रहा।

बेकाबू गजराज ग्रामीणों को कर रहे बेघर, खेती को भी भारी नुकसान

गांव वीरान.. न हाथी सुरक्षित, न इंसान

नुकसान से कम नाममात्र का मिल रहा मुआवजा

हाथी प्रभावित ग्रामीण आंदोलन की तैयारी में

जिले में अनूपपुर वनमंडल अंतर्गत अनूपपुर व जैतहरी वन परिक्षेत्र में हाथियों से प्रभावित ग्रामीण काफी परेशान व आक्रोशित हैं। किसानों ने बताया कि हाथियों का दल जंगल से बाहर निकलकर रिहायशी इलाकों की तरफ बढ़ रहा है जो अपना पेट भरने के लिए प्रतिदिन किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

हाथियों का झुंड एक तरफ फसल को चट कर ही रहा है दूसरी तरफ पैरों से दबाकर फसलों को कुचल भी रहा है। कई बार हाथियों के हमले में लोगों की मौत भी हो रही है। लोगों ने वन विभाग की कार्रवाई पर भी सवालिया निशान लगाया और कहा कि विभाग की ओर से जो भी कार्य किए गए हैं उसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिला है बल्कि पहले की तुलना में हाथियों का झुंड लोगों और अधिक परेशान कर रहा है। हाथियों का झुंड आबादी वाले क्षेत्रों में घुस रहा है।

प्रभावित किसानों का कहना है कि हाथियों के झुंड से जितना उन्हें फसल का नुकसान हो रहा है उसकी भरपाई वन विभाग की ओर से नहीं की जा रही है। इससे ग्रामीणों का आर्थिक अहित हो रहा है। ग्रामीण आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार हाथियों के हमले में ग्रामीण क्षेत्र के मकानों को क्षतिग्रस्त करने पर महज पांच हजार रुपये मुआवजा देती है। यह तब है जब कच्चा मकान बनाने में भी लाखों रुपये का खर्च आता है। हाथी के हमले से मकान 50 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त हो जाए तो पांच हजार रुपये, यदि मकान कच्चा है तो यह राशि घटकर तीन हजार रुपये हो जाती है। फसल की बात करें तो आज की मंहगाई में एक एकड़ जमीन में लगभग बीस हजार रोपाई का खर्च होता है जिस पर राहत राशि अधिकतम पांच हजार रुपए दिया जाता है, यह कैसी राहत और कैसा न्याय है।

नुकसान के अनुसार नहीं मिल रही राहत राशि

ज्ञात हो कि जिले में लगभग महीने भर से 4 हाथियों का झुंड लगातार खेतों में धान की फसलों को रौंद कर किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। वन विभाग द्वारा पर्याप्त मुआवजा न मिलने से किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र के जंगल के आसपास हाथियों का झुंड दिनभर आराम करता है और जैसे ही रात होती है, ये झुंड रिहायशी इलाकों और खेतों में आकर धान की फसल को खाकर और रौंदकर नुकसान पहुंचाते हैं। वन विभाग के अनुसार क्षेत्र में 4 हाथियों का दल लगातार विचरण कर रहा है। किसानों के मुताबिक ये स्थिति कई दिनों से जारी है और फसल के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार द्वारा दिए जाने वाले मुआवजे से वे संतुष्ट नहीं हैं। किसान मांग कर रहे हैं कि वास्तविक नुकसान का उचित आंकलन कर मुआवजा राशि में वृद्धि की जाए। उन्होने कलेक्टर से आग्रह किया है कि मौका जॉच कराकर नुकसान के हिसाब से उचित मुआवजा दिलावाया जाये।

हाथी के डर से कहां जाएं

हाथी प्रभावित गांवों का हरिभूमि की टीम ने जायजा लिया। इस दौरान लोगों ने हरिभूमि को बताया कि हाथियों के डर से जीना दूभर हो गया है. रात के समय गजराज की दहशत और बढ़ जाती है। हम तो सुरक्षित हैं लेकिन घर को हम कहां ले जाएं। बेकाबू हाथियों ने हमें बेघर कर दिया है। हमारी आर्थिक स्थिति तो पहले ही खराब थी, अब हाथियों के हमले ने हमारी मुश्किलें और बढ़ा दी है। ऐसे में अब हम लोग अब कहां जाएं। किसानों का कहना है कि हमने काफी मेहनत कर फसलों को उगाया था, जिसे जंगली हाथियों ने बर्बाद कर दिया है। एक किसान लेखराम राठौर ने बताया कि 4 हाथी उनके खेत में टूट पड़े। कुछ फसलों को खाया और कुछ को रौंदते हुऐ आगे बढ़ गए।

रतजगा करने को मजबूर ग्रामीण

हाथियों द्वारा लगभग दर्जन भर ग्रामीणों के मकानो में तोड़फोड़ कर एवं कई किसानो के खेतों में लगी विभिन्न तरह की फसलों को अपना आहार बनाया है। जैतहरी के लहरपुर, मुर्रा गांव में एक युवक हाथियों के नजदीक जाने से हाथियों के चिंघाडने, दौड़ाने पर बाल बाल बचा वही हाथियों के समूह से कई वर्षों से परेशान ग्रामीणों ने वनविभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के साथ कई घंटे तक हाथियों की समस्या को लेकर बहस करते रहे तो चोई गांव मे एक व्यक्ति की हाथी के हमले से मौत तो एक बच्चे के घायल होने का आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाया गया। दूसरी ओर वन विभाग का गश्ती दल पुलिस विभाग एवं ग्रामीण जनों के सहयोग से हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए आम जनों से हाथियों से दूरी बनाए रखने, सतर्क एवं सावधान रहने की अपील कर कोरमपूर्ति कर रही है। ग्रामीण हाथियों के द्वारा रात होते ही निरंतर घरों एवं खेतों में लगी फसलों को खाने अचानक मोहल्ला में पहुंच जाने पर हाथियों के डर से परेशान एवं भयभीत है जो स्वयं एवं अपने परिवारों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रात-रात भर जाग कर एक दूसरे से संपर्क बनाए रखते हुए अपने साथ परिवार के सदस्यों की सुरक्षा करने में परेशान दिखाई देते हैं।

एक दिवसीय सेमीनार सह विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न

इरेक्टर हॉस्टल चचाई किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

27 जुलाई रविवार को इरेक्टर हॉस्टल चचाई में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय संगोष्ठी सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल रही। आयोजित सेमिनार कार्यक्रम में अन्य अतिथिगणों में द्वितीय जिला न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम नरेंद्र पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विनोद वर्मा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती चैनवती ताराम, न्यायाधीश श्रीमती सुधा पाण्डेय, न्यायिक दंडाधिकारी एवं रजिस्ट्रार बॉबी सोनकर, न्यायाधीश सुश्री सृष्टि साहू, उत्पादन कंपनी के मुख्य अभियंता तनवीर अहमद, मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता जीपी गोस्वामी, कार्यपालन अभियंता अरूणेन्द्र प्रसाद मौर्य, विजिलेंस संभाग एमपीईबी अनूपपुर के कार्यपालन अभियंता सुजीत कुमार, निर्माण संभाग एमपीईबी अनूपपुर के कार्यपालन अभियंता बीपी पटेल उपस्थित रहे। एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यक्रम सेमिनार की शुरुआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। आयोजित सेमिनार में एमपीईबी अनूपपुर जिले के समस्त सहायक अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंताओं, लाइन स्टाफ और विद्युत विभाग के पैनल अधिवक्ताओं को विद्युत अधिनियम 2003 के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं दिशा निर्देश प्रदान किए गए। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल द्वारा समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पैनल अधिवक्ताओं को विद्युत अधिनियम 2003 के तहत प्रकरण बनाने के नियमों एवं प्रावधानों से अवगत कराकर ट्रेनिंग दी गई। सेमिनार कार्यक्रम सुबह 10.30 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 1.30 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता संचारण संधारण अनूपपुर और सहायक अभियंता कोतमा ने भी अधिकारियों कर्मचारियों को मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं के संबंध में अपना पक्ष रखा। कार्यक्रम में सहायक अभियंता कोतमा राहुल कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्रग्राम जितेंद्र संत, अनूपपुर शुभम डावर, जैतहरी रामकिशोर गुप्ता के साथ कनिष्ठ अभियंता अनूपपुर शहर मनीष जोशी, अनूपपुर ग्रामीण सुनील पटेल, चचाई संतोष प्रसाद प्रजापति, लालमणि प्रजापति, बिजुरी खीर सागर पटेल, अमरकंटक लक्ष्मी नारायण सोनवानी, राजेंद्रग्राम लवकुश पटेल, बेनीबारी रविन्द्र पटेल, एमपीईबी के पैनल अधिवक्ताओं में विजेन्द्र सोनी, योगेश कुमार मिश्रा, ओमप्रकाश राठौर, रोहित कुमार राठौर, मोहम्मद असलम नियाजी तथा डिफेंस काउंसिल की तरफ से अधिवक्ता शाबिर अली एवं आयुष सोनी उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम के विशेष सहयोग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के डीएलओ बृजेश पटेल, सिस्टम ऑफिसर न्यायालय पवन कुमार एवं विद्युत विभाग की तरफ से अमित कुमार आहूजा लाइन परिचारक संविदा की भूमिका रही। मंच का संचालन विद्युत विभाग के सेवानिवृत परीक्षण सहायक जय प्रकाश नारायण शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथिगणों एवं अधिकारियों, कर्मचारियों, अधिवक्ताओं के भोजन की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता अरूणेन्द्र प्रसाद मौर्य द्वारा की गई थी।

आरोप मे घिरी निशा सिन्हा को मिला उप संचालक कृषि व आत्मा का प्रभार

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष ने प्रमुख सचिव को लिखा पत्र, कार्यवाही की मांग

वित्तीय अनियमितता एवं गबन के थे आरोप, थाने में दर्ज हुई थी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर अनूपपुर द्वारा निशा सिन्हा को उप संचालक कृषि एवं परियोजना संचालक आत्मा पद को सौंपे गये प्रभार पर प्रश्न चिन्ह लग गया। ताज़ा मामले मे संभागीय अध्यक्ष राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन संभाग शहडोल का पत्र सामने आया है। उक्त पत्र के माध्यम से प्रमुख सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल से मामले मे जाँच और कार्यवाही की मांग की गई है।

यह है मामला

प्रमुख सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के नाम सौपे गए पत्र मे उल्लेखित है कि जिला अध्यक्ष अनूपपुर द्वारा निशा सिन्हा जो पूर्व मे प्रभारी सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर मे पदस्थ थी। इनके पदस्थी अवधि के दौरान लगभग एक करोड़ से अधिक शासकीय राशि की कूट रचित दस्तावेजो के आधार पर अनियमिततापूर्ण आहरण करा लिया था जिस पर पूरे प्रकरण के संबंध मे

थाना प्रभारी थाना राजेंद्रग्राम द्वारा उक्त अधिकारी के विरुद्ध थाना राजेंद्रग्राम मे अपराध क्रमांक 166/23 धारा 420, 409, 4, 468, 471, 120 ठ एवं 109 भा.द. वि. का प्रकरण पंजीकृत कर विवेचना करने की जानकरी सामने आयी थी स उक्त पंजीकृत अपराध प्रकरण मे आरोपियों मे सुखलाल अहिरवार ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पुष्पराजगढ़, प्यारेलाल अहिरवार निवासी ग्राम पंडरिया थाना अमरकंटक, दलवीर अहिरवार निवासी ग्राम पंडरिया थाना अमरकंटक शांतिदेवी अहिरवार ग्राम पंडरिया थाना अमरकंटक, अंजू अहिरवार निवासी स्मार्ट सिटी अनूपपुर, मथुरा प्रसाद चौधरी तत्कालीन सहायक भूमि सरंक्षण अधिकारी पुष्पराजगढ़, निशा सिन्हा तत्कालीन सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर दर्ज है। इतने गंभीर धाराओं मे दर्ज प्रकरण जिसपर जाँच की कार्यवाही होने के बाद भी निशा सिन्हा को उप संचालक कृषि एवं उप परियोजना संचालक आत्मा जैसे महत्वपूर्ण पद का प्रभार दिया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन संभाग शहडोल के संभागीय अध्यक्ष ने पत्र मे उल्लेखित किया है की तत्कालीन कलेक्टर जिला अनूपपुर के पत्र क्र./कोषा./लेखा/2023/624 अनूपपुर दिनांक 05.06.2023 एवं कार्यलय जिला कोषालय अधिकारी का पत्र क्र./कोषा./लेखा/2023/582/ अनूपपुर दिनांक 16.05.2023 के अवलोकन के आधार पर तत्कालीन कोषालय अधिकारी जिला अनूपपुर द्वारा प्रस्तुत जाँच प्रतिवेदन तथा संलग्न अभिलेखों एवं दस्तावेजों के परीक्षण एवं परिशीलान किया गया जिसमे देयको भुगतान, अन्यत्र खातों मे राशि का अंतरण जैसे माध्यम से लगभग एक करोड़ रूपये का वित्तीय आहरण अनियमित तरीके से उक्त अधिकारियो, कर्मचारियों द्वारा मिलीभगत कर किया जाना पाया गया है तथा जिसके संबंध मे तत्कालीन कलेक्टर द्वारा स्पस्ट रुप से यह उल्लेखित किया गया था कि निशा सिन्हा उप परियोजना संचालक एवं प्रभारी सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर द्वारा आहरण एवं संवितरण अधिकारियो के दायित्वों का पालन नही किये जाने एवं अपने आई डी पासवर्ड का अन्य कर्मचारी को अधिकृत किये जाने के कारण वित्तीय अनियमितता की स्थिति निर्मित हुई है। अतः कार्यालय सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी पुष्पराजगढ़ मे पदस्थ आहरण अधिकारियो एवं कर्मचारियों द्वारा की गई वित्तीय अनियमितता एवं गबन किये जाने के संबंध मे सर्व संबंधितो के विरुद्ध अनुशासनत्मक कार्यवाही किये जाने हेतु अपर मुख्य सचिव किसान कल्याण एवंकृषि विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल को पत्र प्रेषित किया गया है।

केशरवानी समाज ने उत्साहपूर्वक मनाया हरियाली तीज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर केशरवानी समाज की महिला मंडल के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धनश्री पैलेस में 26 जुलाई को हरियाली तीज का त्यौहार हषोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल से सत्यभामा केशरवानी एवं शांति केशरवानी कार्यक्रम में शामिल हुईं। अनूपपुर महिला मंडल की अध्यक्ष हेमलता उमेश केशरवानी ने बताया कि सर्वप्रथम समाज के कुलगुरु महर्षि कश्यप की पूजा अर्चना विधि विधान से की गई उसके बाद अतिथियों एवं वृद्ध महिलाओं का पुष्प एवं माल्यार्पण से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में समाज की महिलाओं एवं बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। गीत, गजल, डांस अंताक्षरी, जोक्स, कुर्सी दौड़, इसके साथ कई तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए साथ ही कार्यक्रम के उपरांत प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया तथा हरियाली तीज का महत्व बताया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह देखा गया। उक्त अवसर पर महिला मंडल की अध्यक्ष हेमलता उमेश केशरवानी, उपाध्यक्ष रेखा महेंद्र केशरवानी, उपाध्यक्ष अर्चना संतोष केसरवानी, प्रिया राजकुमार केशरवानी, सचिन कविता केशरवानी, सह सचिव निर्मला अनिल केशरवानी, कोषाध्यक्ष जूही सुनील केशरवानी, सलाहकार ममता गणेश केशरवानी, राम शैलेंद्र केशरवानी, मधु प्रकाश केशरवानी, रेखा राजेश केशरवानी, लक्ष्मी केशरवानी, सुजाता केशरवानी, रीना केशरवानी, संजना केशरवानी, श्रद्धा केशरवानी, दीपा केशरवानी, अंजना केशरवानी, आरती केशरवानी, वीणा केशरवानी, प्रीति केशरवानी, कीर्ति केशरवानी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत मे अध्यक्ष द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने मृत्युंजय आश्रम में किया रूद्राभिषेक

स्वामी हरिहरानंद जी ने करवाया अभिषेक

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शनिवार, 27 जुलाई को छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने मां नर्मदा उद्गम स्थल और मंदिर में सायं 4 बजे श्रद्धाभाव से दर्शन, पूजन व अर्चन किये। उन्होंने विधि-विधान से मां नर्मदा की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व मंगल की कामना की। इसके पश्चात वे मृत्युंजय आश्रम पहुंचे जहाँ परमपूज्य महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद स्वामी के सान्निध्य मे रुद्राभिषेक किया। यहाँ उन्होंने महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त कर अमरकंटक और छत्तीसगढ़ से जुडे विभिन मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री के साथ योगेश दुबे, कवर्धा से आए कांवड़यिों का दल, समर्थक, भारी संख्या में कार्यकर्ता एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं पुष्पराजगढ़ के एसडीएम सुधाकर सिंह बघेल भी इस धार्मिक आयोजन में उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्थानीय मृत्युञ्जय आश्रम पहुंचकर श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों के लिए बनाए गए आवास एवं भोजन व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मां नर्मदा मंदिर परिसर में पूजन कार्यक्रम का विधिवत संचालन पुजारी उमेश द्विवेदी, बंटी द्विवेदी, सुनील द्विवेदी, धर्मेंद्र द्विवेदी एवं रूपेश द्विवेदी ने मंत्रोच्चारण, आरती व जलाभिषेक के साथ संपन्न कराया। पूजन उपरांत उपमुख्यमंत्री जालेश्वर धाम के लिए रवाना हुए, जहाँ वे जालेश्वर महादेव का पूजन-अर्चन करेंगे।